Rattanindia gets 5-star rating from MPCB

■ Amravati Bureau
AMRAVATI, July 11

MAHARASHTRA Pollution Control Board (MPCB) has given five star rating to Rattanindia Power Company from Amravati recently. Rattanindia Power Limited is the only electricity generation company in the State which has got five star rating from MPCB.

It may be mentioned here that the MPCB has initiated an air pollution information disclosure programme to give industries star ratings on the basis of their particulate matter emmissions and for bringing more transperancy regarding the pollution took place through industries. These ratings are shared through Air Pollution Report Cards. These ratings have been provided through open workshops and while after taking consultation of various remedies made regarding pollution controling.

A workshop was held in Nagpur recently and many of the schemes implemented by Rattanindia Power Company Limited for controling the pollution were hailed at the workshop.

V M Motghare, Directoir of Maharashtra Pollution Control Board presented the five star rating certificate to Rattanindia on the occasion.

MPC has an independent machinaries for making study of the pollution took place through various industries. While the board has provided five star rating to Rattanindia Power Limited after the final conclusion drawned by making study of pollution through various machines at various nearby villages to the Rattanindia.

The Pollution Control Board has found particulate matter emmissions below than the standard at the company.

It should be mentioned that pollution control board has given one or two rating to many of the government and semi-government power projects.

Hitawada 22-07-2016

रतन इंडिया को पंचतारांकित मानांकन

महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल ने सराहा

अमरावती। 11 जुलाई (लोस)

महाराष्ट्र के सभी बिजली निर्मिती प्रकल्पों में से अमरावती की रतन इंडिया पॉवर कम्पनी के बिजली निर्मिति प्रकल्प को महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल द्वारा कम से कम प्रदूषण फैलाने के मामले में पंचतारांकित मानांकन प्रदान करते हुए गौरवान्वित किया गया है. बोर्ड द्वारा निर्धारित मापदंड से भी अत्यल्प प्रदूषण कम्पनी की इकाई से होने पर यह सम्मान दिया गया. बोर्ड द्वारा किसी कम्पनी को दिया जाना वाला यह बड़ा सम्मान माना जाता है.

उद्योगों से होने वाले प्रदूषण के संदर्भ में अधिक पारदर्शिता कायम करने के लिए प्रदूषण नियंत्रण मंडल ने मानांकन देने की परंपरा आरंभ की है. यह मानांकन खुले कार्यक्रम में दिया जाता है. बोर्ड द्वारा सुझाए गए सभी उपायों पर खरा उतरने वाली कम्पनी को ही यह पुरस्कार दिया जाता है. इस विषय पर नागपुर में कार्यशाला ली गई. इसमें अमरावती के रतन इंडिया पॉवर प्रकल्प को प्रदूषण नियंत्रण के लिए अपनाए गए सभी उपायों को सही और सर्वोत्तम होने के कारण बोर्ड के संचालक वी.एम. मोटघरे ने पंचतारांकित प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया. बोर्ड द्वारा सभी उद्योगों के प्रदूषण नियंत्रण की जांच की जाती है. प्रकल्प तथा परिसर के निकट के धूल-कणों की जांच की जाती है.

कोयला आधारित बिजली प्रकल्प प्रदूषण के लिए जाने जाते हैं. लेकिन रतन इंडिया पॉवर कम्पनी द्वारा अत्याधुनिक तकनीकी तथा यंत्रों का इस्तेमाल करते हुए इसे गलत साबित किया गया. प्रदूषण की मात्रा यदि 150 मायक्रोग्राम से कम हो तब पंचतारांकित मानांकन दिया जाता है. लेकिन बेहतरीन उपायों के कारण रतन इंडिया और करीबी क्षेत्रों में यह मात्रा केवल 40 से 50 मायक्रोग्राम तक पाई गई. इससे अमरावती का नाम रोशन हुआ है.

Lokmat Samachar 12-07-2016

रतन इंडिया को मिला पंचतारांकित मानांकन

महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल की ओर से मिला सम्मान

प्रतिनिधि/दि.११

अमरावती-अमरावती के रतन इंडिया पॉवर कंपनी के बिजली निर्मिती प्रकल्प को प्रदूषण मंडल की ओर से पंचतारांकित मानांकन बहाल कर गौरवान्वित किया गया हैं. यह सम्मान कंपनी के लिए एक बहुत बड़ा सम्मान हैं.

उद्योग से होनेवाले प्रदूषण के संबंध में अधिक पारदर्शिता कायम करने हेतु प्रदूषण नियंत्रण मंडल ने मानांकन देने की पद्धति आरंभ की. यह मानांकन खुले कार्यक्रम में दिए जाते हैं. प्रदूषण नियंत्रण के संबंध में किए गए उपाययोजनाओं की जानकारी प्रदूषण नियंत्रण मंडल की ओर से ली जाती हैं. इस विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन नागपुर में किया गया था. इस कार्यशाला में रतनइंडिया पॉवर प्रकल्प को प्रदूषण नियंत्रण के लिए अपनाए गए सभी उपाय सही और सर्वोत्तम होने के लिए महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल के संचालक व्ही.एम.मोटघरे की ओर से कंपनी को पंचतारांकित प्रमाणपत्र बहाल कर गौरवान्वित किया गया.

राज्य के उद्योगों से होनेवाले प्रदूषण की जांच करना प्रदूषण नियंत्रण मंडल का काम हैं. इस बारे में उनकी स्वतंत्र यंत्रणा भी कार्य करती हैं. प्रकल्प और परिसर के निकट प्रदूषण नियंत्रण मंडल की ओर से प्रदूषण मापक यंत्र स्थापित किया गया और प्रकल्प की वजह से होनेवाला प्रदूषण नापा गया. इसमें रतन इंडिया प्रकल्प से निकली हुई राख और धूलकन अपने मापदंडों से बहुत कम होने की सत्यता दिखाई दी. इसमें चलते रतन इंडिया पॉवर प्रकल्प को प्रदूषण नियंत्रण के लिए किए गए उपाययोजना तथा यंत्रणाएं सही काम करने का साबित हुआ हैं. कोयला आधारित बिजली प्रकल्प प्रदूषण के लिए जाने जाते हैं. लेकिन रतन इंडिया पॉवर कंपनी द्वारा अत्याधुनिक तकनीक तथा यंत्रों का इस्तेमाल करके यह सिद्ध कर दिया कि, कोयला आधारित बिजली प्रकल्प भी प्रदूषण मुक्त हो सकते हैं. प्रदूषण की मात्रा यदि १५० मायक्रो ग्रैम से कम हो तब पंचतारांकित मानांकन दिया जाता हैं. रतन इंडिया और निकटवर्ती क्षेत्रों में यह मात्रा केवल ४० से ५० मायक्रो ग्रैम तक पायी हैं.

राज्य के सरकारी तथा गैरसरकारी बिजली प्रकल्पों और उद्योगों को सरकार के प्रदूषण नियंत्रण मंडल की ओर से एक, दो तारांकित मानांकन बहाल किया गया हैं. इस पृष्टभूमि पर रतन इंडिया पॉवर कंपनी को पंचतारांकित मानांकन प्राप्त होना प्रकल्प के लिए गौरव की बात हैं.

Mandal 12-07-2016

रतन इंडिया को मिला पंचतारांकित मानाकंन

प्रतिनिधि, 9 जुलाई

अमरावती- महाराष्ट्र के सभी बिजली निर्मीती प्रकल्प में से अमरावती के रतन इंडिया पॉवर कंपनी को प्रदूषण नियंत्रण मंडल की ओर से पंचतारांकित मानाकंन बहाल कर गौरवान्वित किया गया है. यह सम्मान किसी कंपनी के लिए एक बहुत बड़ा सम्मान माना जाता है.

उद्योग से होनेवाले प्रदूषण के संदर्भ में में अधिक पारदर्शिता कायम करने हेतु प्रदूषण नियंत्रण मंडल ने मानाकंन देने की प्रथा प्रारंभ की है. यह मानाकंन खुले कार्यक्रम में दिए जाते हैं. प्रदूषण नियंत्रण के संदर्भ में किए गई उपाययोजनाओं की जानकारी प्रदूषण नियंत्रण मंडल की ओर से ली जाती है. इस विषय पर कार्यशाला का आयोजन हाल ही में नागपुर में किया गया था. कार्यशाला में अमरावती के रतन इंडिया पॉवर प्रकल्प को प्रदूषण नियंत्रण के लिए अपनाएं गये सभी उपाय सही और सर्वोत्तम होने के

लिए महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल के संचालक वी.एम. मोटघरे की ओर से कंपनी को पंचतारांकित प्रमाणपत्र से नवाजा गया.

राज्य के उद्योग से होनेवाले प्रदूषण की जांच करना प्रदूषण नियंत्रण मंडल का कार्य है. इस बारे में उनकी स्वतंत्र यंत्रणा भी कार्य करती है. प्रकल्प और परिसर के निकट प्रदूषण मंडल की ओर से प्रदूषण मापक यंत्र स्थापित किए गए और प्रकल्प की वजह से होनेवाले प्रदूषण को

प्रदूषण मंडल द्वारा सम्मानित

नापा गया. जिसमें प्रकल्प से निकली राख और धूल मापदंडों से बहुत कम होने की सत्यता दिखाई दी. जिसके तहत रतन इंडिया पॉवर प्रकल्प द्वारा प्रदूषण नियंत्रण के लिए किए गये उपाययोजना व यंत्रणाएं सुचारू रूप से काम कर रही है, ऐसा साबित हुआ. कोयला आधारित बिजली प्रकल्प प्रदूषण के लिए जाने जाते है. लेनि रतन इंडिया पॉवर कंपनी द्वारा अत्याधुनिक तकनिकी तथा यंत्रों का इस्तेमाल करके यह सिद्ध कर दिया है कि, कोयला आधारित विद्युत प्रकल्प भी प्रदूषण मुक्त हो सकते है. प्रदूषण की मात्रा यदि 150 मायक्रोग्राम से कम हो तब पंचतारांकित मानाकंन दिया जाता है. रतनइंडिया निकटवर्ती क्षेत्रों में यह मात्रा केवल 40 से 50 मायक्रोग्राम तक पायी है.

राज्य के सरकारी तथा गैरसरकारी बिजली प्रकल्पों और उद्योगों को सरकार के प्रदूषण नियंत्रण मंडल की ओर से एक या दो तारांकित मानाकंन बहाल किए गए है. जिसके चलते रतन इंडिया पॉवर कपंनी को पंचतारांकित मानाकंन प्राप्त होना गौरव की बात है.

Pratidin 10-02-2016

रतन इंडिया को पंच तारांकित मानांकन

ब्यूरो. अमरावती

महाराष्ट्र के सभी बिजली निर्माण प्रकल्प से अमरावती के रतन इंडिया पावर कंपनी के बिजली निर्माण प्रकल्प को प्रदूषण नियंत्रण मंडल की ओर से 'पंचतारांकित मानांकन' बहाल कर गौरवान्वित किया गया है। यह सम्मान कंपनी के लिए एक बहुत बड़ा सम्मान माना जाता है। उद्योगों से होनेवाले प्रदूषण के संदर्भ में अधिक पारदर्शिता बनाए रखने के लिए प्रदूषण नियंत्रण मंडल ने उपाय योजनाओं की जानकारी प्रदूषण नियंत्रण मंडल की ओर से ली जाती है। इस विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन गुरुवार 7 जुलाई को नागपुर में किया गया था। इस कार्यशाला में अमरावती के रतन इंडिया पावर प्रकल्प को इस वर्ष नियंत्रण के लिए अपनाए गए सभी उपाय सही और सर्वोत्तम होने के लिए महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल के संचालक वी.एम. मोटघरे की ओर से कंपनी को 'पंचतारांकित प्रमाणपत्र' बहाल कर गौरवान्वित किया गया है।

राज्य के उद्योग से होनेवाले प्रदूषण की जांच करने की प्रदूषण नियंत्रण मंडल का काम है, इस बारे में उनका स्वतंत्र विभाग भी कार्य करता है। प्रकल्प और परिसर के निकट प्रदूषण नियंत्रण मंडल की ओर से प्रदूषण मापक यंत्र स्थापित किए गए और प्रकल्प की वजह से होनेवाला प्रदूषण नापा गया। जिसे की मंडल को प्रकल्प से निकली हुई राख और धूल के कण अपने मापदंड बहुत कम होने की सत्यता दिखाई दी। जिस कारण रतन इंडिया पावर प्रकल्प द्वारा प्रदूषण नियंत्रण के लिए किए गए। उपाय योजना तथा विभाग सही काम कर रहे साबित हुए हैं। कोयला आधारित बिजली प्रकल्प प्रदूषण के लिए जाने जाते है, लेकिन रतन इंडिया पावर कंपनी द्वारा अत्याधुनिक तकनीकी तथा यंत्रों का इस्तेमाल कर यह साबित कर दिया है कि कोयला आधारित बिजली प्रकल्प भी प्रदूषण मुक्त हो सकते हैं। प्रदूषण की मात्रा यदि 150 मायक्रोग्राम से कम हो तब पंचतारांकित मानांकन दिया जाता है। रतन इंडिया और निकटवर्ती क्षेत्रों में यह मात्रा केवल 40 से 50 मायक्रोग्राम तक पाई है। राज्य के सरकारी तथा गैरसरकारी बिजली प्रकल्पों और उद्योगों को सरकार के प्रदूषण नियंत्रण मंडल की ओर से एक, दो तारांकित मानांकन बहाल किए गए हैं। इस पृष्ठभूमि पर रतन इंडिया पावर कंपनी को पंचतारांकित मानांकन होना प्रकल्प के लिए गौरव की बात है।

Dainik Bhaskar 10-07-2016

रतन इंडिया को फाइव स्टार नामांकन

प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड से सम्मानित

अमरावती (का). कोयला आधारित बिजली उत्पादन केंद्र रतन इंडिया पावर लि. को महाराष्ट्र प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड ने फाइव स्टार का नामांकन बहाल किया है. उद्योग से होने वाले प्रदूषण के संदर्भ में अधिक पारदर्शिता कायम रखने के लिए प्रदूषण नियंत्रण मंडल ने यह सम्मान दिया है. प्रदूषण बोर्ड की ओर से गुरुवार को नागपुर में आयोजित कार्यशाला में रतन इंडिया पावर प्रकल्प को प्रदूषण नियंत्रण के लिए अपनाए सभी उपाय और सर्वोत्तम होने के लिए महाराष्ट्र नियंत्रण मंडल के संचालक वी.एम. मोटघरे के हाथों फाइव स्टार नामांकन का प्रमाणपत्र सौंपा गया.

प्रदूषण की मात्रा 50 मायक्रो ग्राम

■ राज्य के उद्योग से होने वाले प्रदूषण की जांच करने हेतु प्रदूषण नियंत्रण मंडल की स्थापना हुई. इस बारे में उनकी स्वतंत्र यंत्रणा भी कार्यरत होती है.

■ प्रकल्प और परिसर के निकट प्रदूषण मंडल की ओर से प्रदूषण मापक यंत्र स्थापित किये जाते हैं, जिसके माध्यम से प्रकल्प से निकली शख और धूलकणों को अपने मापदंडों से बहुत कम होने की सत्यता दिखाई दी.

■ आमतौर पर कोयला आधारित बिजली प्रकल्प प्रदूषण के लिए माने जाते हैं. लेकिन रतन इंडिया पावर कंपनी व्दारा अत्याधुनिक तांत्रिकी तथा यंत्रिका का इस्तेमाल कर यह साबित कर दिखाया कि कोयला प्रकल्प भी प्रदूषण मुक्त काम कर सकता है.

■प्रदूषण की मात्रा 150 मायक्रो ग्राम से कम होने पर यह नामांकन दिया जाता है. जबकि रतन इंडिया कंपनी की मात्रा केवल 40 से 50 मायक्रो ग्राम दिखाई दी. जिसके चलते प्रदूषण मंडल ने कंपनी को पंचतारांकित मानांकन देकर गौरवान्वित किया है.

Navabharat 10-07-2016

महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडळातर्फे नामांकन प्रदान

रतन इंडियाला फाईव्ह स्टार

प्रतिनिधी / ९ जुलै

अमरावती : संपूर्ण राज्यात कार्यरत असणाऱ्या सर्व वीज निर्मिती प्रकल्पांमधून अमरावतीच्या रतन इंडिया पॉवर कंपनी या एकमेव प्रकल्पाला महाराष्ट्र राज्याच्या प्रदूषण नियंत्रण मंडळाने पंचतारांकित मानांकन अलिकडेच प्रदान केले आहे.

उद्योगांमधून होणाऱ्या प्रदूषणाच्या संदर्भात अधिक पारदर्शकता असावी, या उद्देशाने प्रदूषण नियंत्रण मंडळाने मानांकने देण्याची प्रथा सुरू केली आहे. ही मानांकने खुल्या कार्यशाळेत देण्यात येतात आणि प्रदूषण नियंत्रणाच्या बाबतीत केल्या जाणाऱ्या विविध उपाययोजनांचा परामर्श घेतला जातो. यावर्षी ही कार्यशाळा गुरूवार ७ जुलै रोजी नागपूर येथे आयोजित करण्यात आली होती.

संदर कार्यशाळेत अमरावतीच्या रतन इंडिया वीज प्रकल्पातील प्रदूषण नियंत्रणासाठी करण्यात आलेल्या अनेक योजना सर्वोत्तम असल्याचे सांगण्यात आले. महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडळाचे संचालक व्ही. एम. मोटघरे यांनी सदरचे पंचारांकित प्रशस्तीपत्र रतन इंडिया कंपनीला दिले.

तीन वर्षाचे परीक्षण

या प्रक्रियेमध्ये गेल्या तीन वर्षात प्रकल्पातून उत्सर्जित होणारी राख आणि धुळीकण हे स्थापित मानदंडापेक्षा अतिशय कमी असल्याचे आढळून आले आहे. त्यामुळे रतन इंडिया प्रकल्पाने प्रदूषण नियंत्रणासाठी निर्माण करण्यात आलेल्या यंत्रणा यशस्वीपणे कार्यरत असल्याचे सिध्द झाले आहे. औष्णिक वीज प्रकल्पाची प्रदूषण म्हणून ओळख आहे.

विविध उद्योगांमधून होणाऱ्या प्रदूषणाचा अभ्यास करण्यासाठी प्रदूषण नियंत्रण मंडळाच्या स्वतंत्र यंत्रणा आहेत. या यंत्रणांच्या माध्यमातून मंडळाने रतन इंडिया प्रकल्प परिसरातील अनेक गावांमध्ये आपली यंत्रे कार्यान्वित केली आणि येथील प्रदूषणाच्या संदर्भात अंतिम निष्कर्ष निश्चित केले.

४०-५० मायक्रोग्रॅम मात्रा

रतन इंडिया पॉवर कंपनीने अत्याधुनिक तंत्रज्ञान आणि यंत्राचा समावेश केल्याने औष्णिक वीज प्रकल्पदेखील प्रदूषण मुक्त होऊ शकते, ही बाब सिध्द केली आहे. प्रदूषण मात्रा जर १५० मायक्रोग्रॅम पेक्षा कमी असेलत तर पंचतारांकीत मानांकन दिल्या जाते. रतन इंडिया आणि परीसरात ही

पान 9 वर

ग्रॅम आढळली. राज्यातील अनेक शासकीय आणि गैरशासकीय वीज प्रकल्पांना खुद्द सरकारच्याच अखत्यारितील प्रदूषण नियंत्रण मंडळाने एक किंवा दोन तारांकित प्रकल्पांच्या यादीत टाकले आहे. या पार्श्वभूमीवर वीज निर्मितीच्या क्षेत्रात नवख्या असणाऱ्या रतन इंडिया प्रकल्पाला पंचतारांकित मानांकन मिळणे ही प्रकल्पाच्या दृष्टीने गौरवास्पद बाब आहे.

रतन इंडियाला...

इंडिया आणि परीसरात ही मात्रा केवळ ४० ते ५० मायक्रो

Vidha Kesari 10-07-2016

महाराष्ट्र प्रदुषण नियंत्रण मंडळातर्फे

रतनइंडियाला पंचतारांकित मानांकन

अमरावती/का.प्र.

संपुर्ण राज्यात कार्यरत असणाऱ्या सर्व वीज निर्मीती प्रकल्पांमधून अमरावतीच्या रतनइंडिया पॉवर कंपनी या एकमेव प्रकल्पाला महाराष्ट्र प्रदुषण नियंत्रण मंडळाने पंचतारांकित मानांकन अलिकडेच प्रदान केले आहे.

उद्योगांमधून होणाऱ्या प्रदुषणाच्या संदर्भात अधिक पारदर्शकता असावी या उद्देशाने प्रदुषण नियंत्रण मंडळाने मानांकने देण्याची प्रथा सुरु केली आहे. ही मानांकने खुल्या कार्यशाळेत देण्यात येतात आणि प्रदुषण नियंत्रणाच्या बाबतीत केल्या जाणाऱ्या विविध उपाययोजनांचा परामर्श घेतला जातो. यावर्षी ही कार्यशाळा नागपूर येथे आयोजित करण्यात आली होती. सदर कार्यशाहेत अमरावतीच्या रतनइंडिया वीज प्रकल्पातील प्रदुषण नियंत्रणासाठी करण्यात आलेल्या अनेक योजना सर्वोत्तम असल्याचे सांगण्यात आले. महाराश्ट्र प्रदुषण नियंत्रण मंडळाचे संचालक मोटघरे यांनी सदरचे पंचतारांकित प्रशस्तीपत्र रतनइंडिया कंपनीला दिले.

विविध उद्योगांमधुन होणाऱ्या प्रदुषणाचा अभ्यास करण्यासाठी प्रदुषण नियंत्रण मंडळाच्या स्वतंत्र यंत्रणा आहेत. या यंत्रणांच्या माध्यमातनू मंडळाचे रतनइंडिया प्रकल्प परिसरातील अनेक गावांमध्ये आपली यंत्रे कार्यान्वित केली आणि येथील प्रदुषणाच्या संदर्भात अंतिम निष्कर्ष निश्चित केले. या प्रक्रियेमध्ये गेल्या तीन वर्षात प्रकल्पातुन उत्सर्जित होणारी राख आणि धुळीकण हे स्थापित मानदंडापेक्षा अतिशय कमी असल्याचे आढळुन आले आहे. त्यामुळे रतनइंडिया प्रकल्पाने प्रदुषण नियंत्रणासाठी निर्माण करण्ता आलेल्या यंत्रणा यशस्वीपणे कार्यरत असल्याचे सिध्द झाले आहे. औष्णिक वीज प्रकल्पाची प्रदुषण म्हणून ओळख आहे. मात्र, रतन इंडिया पॉवर कंपनीने अत्याधुनिक तंत्रज्ञान आणि यंत्राचा समावेश केल्याने औष्णिक वीज प्रकल्प देखील प्रदुषण मुक्तराहु शकते ही बाब सिध्द केली आहे.

राज्यातील अनेक शासकीय आणि गैर शासकीय वीज प्रकल्पांना खुद्द सरकारच्याच अखत्यारितील प्रदुषण नियंत्रण मंडळाने एक किंवा दोन तारांकित प्रकल्पांच्या यादीत टाकले आहे. या पार्श्वभूमिवर वीज निर्मीतीच्या क्षेत्रात नवख्या असणाऱ्या रतनइंडिया प्रकल्पाला पंचतारांकित मानांकन मिळणे ही प्रकल्पाच्या दृष्टीने गौरवास्पद बाब आहे.

Janmadhyam 10-07-2016

'रतन इंडिया' प्रकल्पाला पंचतारांकित मानांकन

प्रतिनिधी/अमरावती

संपूर्ण राज्यात कार्यरत असणाऱ्या सर्व वीज निर्मिती प्रकल्पांमधून अमरावतीच्या रतन इंडिया पॉवर कंपनी या एकमेव प्रकल्पाला राज्याच्या प्रदूषण नियंत्रण मंडळाने पंचतारांकित मानांकन प्रदान केले आहे.

उद्योगांमधून होणाऱ्या प्रदूषणाच्या संदर्भात अधिक पारदर्शकता असावी, या उद्देशाने प्रदूषण नियंत्रण मंडळाने मानांकन देण्यची प्रथा सुरू केली आहे. ही मानांकने खुल्या कार्यशाळेत देण्यात येतात व प्रदूषण नियंत्रणाच्या बाबतीत केल्या जाणाऱ्या विविध उपाययोजनांचा परामर्श घेतला जातो. यावर्षी ही कार्यशाळा गुरुवारी नागपूर येथे घेण्यात आली.

कार्यशाळेत अमरावतीच्या रतनइंडिया वीज प्रकल्पातील प्रदूषण नियंत्रणासाठी करण्यात आलेल्या अनेक योजना सर्वोत्तम असल्याचे सांगण्यात आले. राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडळाचे संचालक व्ही. एम. मोघटरे यांनी पंचतारांकित प्रशस्तीपत्र रतनइंडिया कंपनीला दिले.

विविध उद्योगांमधून होणाऱ्या प्रदूषणाचा अभ्यास करण्यासाठी प्रदूषण नियंत्रण मंडळाच्या स्वतंत्र यंत्रणा आहेत. या यंत्रणांच्या माध्यमातून मंडळाने रतनइंडिया प्रकल्प परिसरातील अनेक गावांमध्ये आपली यंत्रे कार्यान्वित केली. येथील प्रदूषणाच्या संदर्भात अंतिम निष्कर्ष निश्चित केले. या प्रक्रियेत गेल्या तीन वर्षांत प्रकल्पातून उत्सर्जित होणारी राख आणि धुळीकण हे स्थापित मानदंडापेक्षा अतिशय कमी असल्याचे आढळून आले आहे. त्यामुळे रतनइंडिया प्रकल्पाने प्रदूषण नियंत्रणासाठी निर्माण करण्यात आलेल्या यंत्रणा यशस्वीपणे कार्यरत असल्याचे सिध्द झाले आहे.

औष्णिक वीज प्रकल्पाची प्रदूषण म्हणून ओळख आहे. मात्र, रतनइंडिया पॉवर कंपनीने अत्याधुनिक तंत्रज्ञान आणि यंत्राचा समावेश केल्याने औष्णिक वीज प्रकल्प देखील प्रदूषणमुक्त राहू शकते ही बाब सिध्द केली आहे. राज्यातील अनेक शासकीय आणि गैर शासकीय वीज प्रकल्पांना खुद्द सरकारच्याच अखत्यारितील प्रदूषण नियंत्रण मंडळाने एका किंवा दोन तारांकित प्रकल्पांच्या यादीत टाकले आहे. या पार्श्वभूमीव वीज निर्मितीच्या क्षेत्रात नवख्या असणाऱ्या रतन इंडिया प्रकल्पाला पंचतारांकित मानांकन मिळणे ही प्रकल्पाच्या दृष्टिने गौरवास्पद बाब आहे.

Lokshahi Varta 10-07-2016

महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडळातर्फे 'रतनइंडिया'ला पंचतारांकित नामांकन

प्रतिनिधी / १ जुलै

अमरावती : संपुर्ण राज्यात कार्यरत असणाऱ्या सर्व वीज निर्मिती प्रकल्पामधून अमरावतीच्या रतन इंडिया पॉवर कंपनी या एकमेव प्रकल्पाला महाराष्ट्र राज्याच्या प्रदुषण नियंत्रण मंडळाने पंचतारांकित नामांकन अलिकडेच प्रदान केले आहे.

उद्योगांमधून होणाऱ्या प्रदुषणाच्या संदर्भात अधिक पारदर्शकता असावी या उद्देशाने प्रदुषण नियंत्रण मंढळाने नामांकने देण्याची प्रथा सुरू केली आहे. ही नामांकने खुल्या कार्यशाळेत देण्यात येतात आणि प्रदुषण नियंत्रणाच्या बाबतीत केल्या जाणाऱ्या विविध उपाययोजनांचा परामर्श घेतला जातो. यावर्षी ही कार्यशाळा गुरूवार ७ जुलै रोजी नागपूर येथे आयोजित करण्यात आली होती.

सदर कार्यशाळेत अमरावतीच्या रतनइंडीया वीज प्रकल्पातील प्रदुषण नियंत्रणासाठी करण्यात आलेल्या अनेक योजना सर्वोत्तम असल्याचे सांगण्यात आले. महाराष्ट्र प्रदुषण नियंत्रण मंडळाचे संचालक व्ही.एम. मोटघरे यांनी सदरचे पंचतारांकित प्रशस्तीपत्र रतन इंडीया कंपनीला दिले.

Deshonnati 10-07-2016

प्रदूषण नियंत्रण मंडळाचे रतन इंडियाला मानांकन

अमरावती। येथील रतन पॉवर कंपनीला प्रदूषण नियंत्रण मंडळाने पंचतारांकित मानांकन बहाल केले आहे. प्रदूषणाच्या संदर्भात पारदर्शकता असावी या उद्देशाने मंडळाच्यावतीने मानांकने देण्याची प्रथा सुरू केली आहे. या अंतर्गत ७ जुलै रोजी नागपूर येथे आयोजित कार्यशाळेत मंडळाचे संचालक व्ही. एम. मोटघरे यांनी हे प्रशस्तीपत्रक रतनइंडियाला बहाल केले.

Divya Marathi 10-07-2016